भारत-मस्रि संयुक्त वशिष बल अभ्यास साइक्लोन-III

चर्चा में क्यों ?

भारत और मस्रि के बीच संयुक्त वशिष बल अभ्यास "**साइक्लोन-III**" 10 फरवरी 2025 से राजस्थान के महाजन फील्ड फायरगि रेंज में शुरू हुआ।

मुख्य बदिु

- साइक्लोन-III के बारे में:
  - यह एक **वार्षकि अभ्यास है, जसि दोनों देशों में बारी-बारी** से आयोजति कयिा जाता है।
- इसका **पछिला संस्करण जनवरी 2024 में मस्रि के अंशास में** आयोजति हुआ था।
- भारतीय टीम में 25 सैनकि होंगे, जनिका प्रतनिधित्वि दो वशिष बल बटालयिनों के जवान करेंगे। वहीं, मस्रि की टीम में भी 25 सैनकि होंगे, जनिका प्रतनिधित्वि मस्रि के वशिष बल समूह और टास्क फोर्स के जवान करेंगे।

//

अभ्यास के उद्देश्य:

- दोनों देशों के बीच **सैन्य संबंधों को सुदृढ़ करना।**
- शारीरकि फटिनेस, संयुक्त योजना और सामरकि अभ्यास पर वशिष ध्यान देना।
- रेगस्तान और अर्ध-रेगस्तानी क्षेत्रों में आतंकवाद वरिोधी अभयानों के लयि सामरकि अभ्यासों का पूर्वाभ्यास और सत्यापन करना।
- इसमें मस्रि द्वारा स्वदेशी सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन और रक्षा वनिर्मिाण उद्योग का नरीक्षण भी कयिा गया।

मस्रि

- मिस्र उत्तरपूर्वी अफ्रीका और पश्चिमी एशिया (मध्य पूर्व) में सिनाई प्रायद्वीप में एक अंतरमहाद्वीपीय देश है।
- काहिरा मिस्र की राजधानी है।

सीमाएँ:

- **उत्तर:** भूमध्य सागर की सीमाएँ।
- **पूर्व:** स्वेज की खाड़ी और लाल सागर से घिरा हुआ।
- **पश्चिम:** लीबिया के साथ भूमि सीमा साझा करता है।
- **उत्तर-पूर्व:** गाज़ा पट्टी (फिलिस्तीनी क्षेत्र) और इज़रायल की सीमाएँ।
- **दक्षिण:** सूडान के साथ सीमा साझा करता है।

समुद्री सीमाएँ:

- **भूमध्य सागर:** साइप्रस, तुर्की और ग्रीस के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है।
- **लाल सागर:** जॉर्डन और सऊदी अरब के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है।
- मिस्र ने 1922 में आधुनिक स्वतंत्रता प्राप्त की।
- आधिकारिक भाषा आधुनिक मानक अरबी है।
- आम तौर पर बोली जाने वाली बोली मिस्री अरबी (मसरी) है।
- **इस्लाम प्रमुख धर्म है,** जिसमें 85-90% आबादी सुन्नी मुस्लिम है।

प्रमुख नदी:

- नील नदी मिस्र में साल भर बहने वाली एकमात्र नदी है। लगभग 98% आबादी नील नदी घाटी में रहती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-egypt-joint-special-forces-exercise-cyclone-iii